भारतीय मानक ब्यूरो

मानक क्लब

रा. उ. मा. विद्यालय

— स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत अभियान —

विषय – भारतीय मानक कैसे एक स्वच्छ तथा स्वस्थ भविष्य कि दिशा को आकार दे रहे है।

नाम – सुमेरा असलम

कक्षा – 12th (F)

समय – 1:00 → दिनांक – 19-9-2024

एक कदम स्वच्छता कि ओर

(1) प्रस्थावना → स्वच्छता का अर्थ है साफ-सफाई से रहना क्योंकि स्वच्छता मे हि स्वस्थ शरीर तन-मन का विकाश होता है। स्वच्छता हमारे जीवन का एक प्राथमिक फलु है। अगर हम स्वच्छ रहेंगे तो हम हमेशा स्वस्थ रहेंगे इसका उद्देश्य है कि हमारे भारत देश को साफ-सफाई से रखना तथा के देशवासियो को उनको ~~जिव~~ बचाना भी इसका उद्देश्य है यह हम सब के हाथ मे है।

2) 'आओ स्वच्छता को अपनाए'
अपना भारत महान बनाए.

2) स्वच्छ भारत अभियान कि शुरुआत –
– इसकी शुरुआत हमारे देश के प्रधानमंत्री श्रीमान् नरेन्द्र मोदी द्वारा 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी की 145 वी जयंती से शुरु किया गया है इसका उद्देश्य भारत देश को स्वच्छ बनाना है। इस अभियान को गांधी जी के प्रति उद्देश्य है कि हमारे भारत देश मे हमेशा साफ-सफाई बनी रहे। इसके प्रति गाँधीजी ने इसको अपनाने के लिए कई नारे नारे भी दिए थे और आज हम सब इस चीज को आगे बढा रहे है इस चीज मे सहयोग कर रहे है।
और हम सब देशवाशी यह शपथ लेते है कि हम आज और आने वाला कल और हमारी आने वाली पीढी को यहि शिक्षा देंगे कि वो भी ऐसे हि देश को साफ-सुथरा बनाए रखने का उद्देश्य बनाए रखेंगे।

'आओ स्वच्छता को अपनाए'
'गंदगी को दूर भगाए'

स्वच्छता से लाभ –

(1) इससे हमे किसी भी तरीके कि हानि नही होती हम अनेक प्रकार की बीमारियों से बच सकते है।

(2) इससे हमारे आस-पास सफाई रहेगी, तथा सड़के गलिया भी साफ-सुथरी नजर रहेगी।

(3) अगर कचरा नही होगा तो कचरा नही जलाना पड़ेगा और हम सब को प्रदूषण से मुक्ती मिलेगी।

(4) अगर हम अपने घरो मे शौचालय का उपयोग करेगे तो मक्खिया भि हमारे घरो नही आएगी।

(5) अगर हम स्वच्छ रहेगे तो हमारा शरीर भी स्वस्थ रहेगा।

'आओ स्वच्छता को अपनाए'
'अपना भारत महान बनाए'

अस्वच्छता से होने वाली हानिया –

(1) हम जानते है कि हम कई स्थानो पर जाते है तो वहा देखते है कि कई सारा कचरा कूड़ा-करकट वहा पर फैला हुआ रहता है। और मक्खीया उस पर बैठी रहती है और वह मक्खियाँ ही हमारे शरीर पर आ कर बैठ जाती है जिससे हमे कई सारी बीमारियो का सामना करना पढ़ जाता है।

(2) "स्वच्छता से ही स्वस्थ शरीर का निर्माण होता है"

अस्वच्छता को दूर करने के उपाए –

(1) हमे घरो मे शौचालय बनवाना चाहिए –
(2) कचरे को कचरा पात्रा मे डालना चाहिए –
(3) खुले मे शौचालय नही जाना चाहिए –
(4) कचरे को नही जलाना चाहिए –
(5) हमे ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाना चाहिए -
(6) हमे साफ सफाई से रहना चाहिए -
(7) हमे रोजाना स्नान, ब्रश, बार-बार हाथ धोना और उपयोग लेने चाहिए -

"स्वच्छता का पालन करना है"
"यहि भारतिय नागरिको का उद्देश्य है"

...ता का उद्देश्य –

...का उद्देश्य है कि स्वच्छता को अपनाने कि नीति कई सालो से चली आ रही है और अभी भी चल रही है तथा आगे भी चलती रहेगी। इस उद्देश्य का मतलब हमे हमारे जीवन, हमारे देश, हमारे मन सभी को स्वस्थ रखना है और हमारा कर्तव्य ये है हम इस गातीविधि का पालन जरूर करेगे। हम तो हमारे देश को आजादी मे साथ देने वाले महापुरुष महात्मा गांधी भी स्वच्छता से बहुत प्रेम किया करते थे तो हम भी इसको अपनाएगे।

हम स्वच्छता का पालन करेंगे तभी
तो हमारा देश महान बनेगा।

उपसंहार :-

उपसंहार – 'स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत' से हम जानते है अगर हमारा भारत स्वच्छ रहेगा तभी तो स्वस्थ रहेगा।।

(1) इसके लिए हम लोगो से प्रचार करेगे।
(2) इसके लिए नारे लगाएगे।
(3) तथा स्वच्छता को अपनाएगे भी।

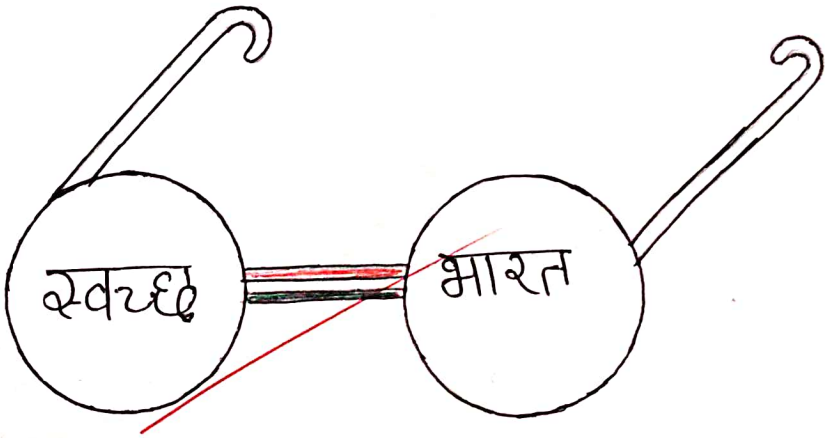

—· स्वच्छता की जोत जागी रे ·—

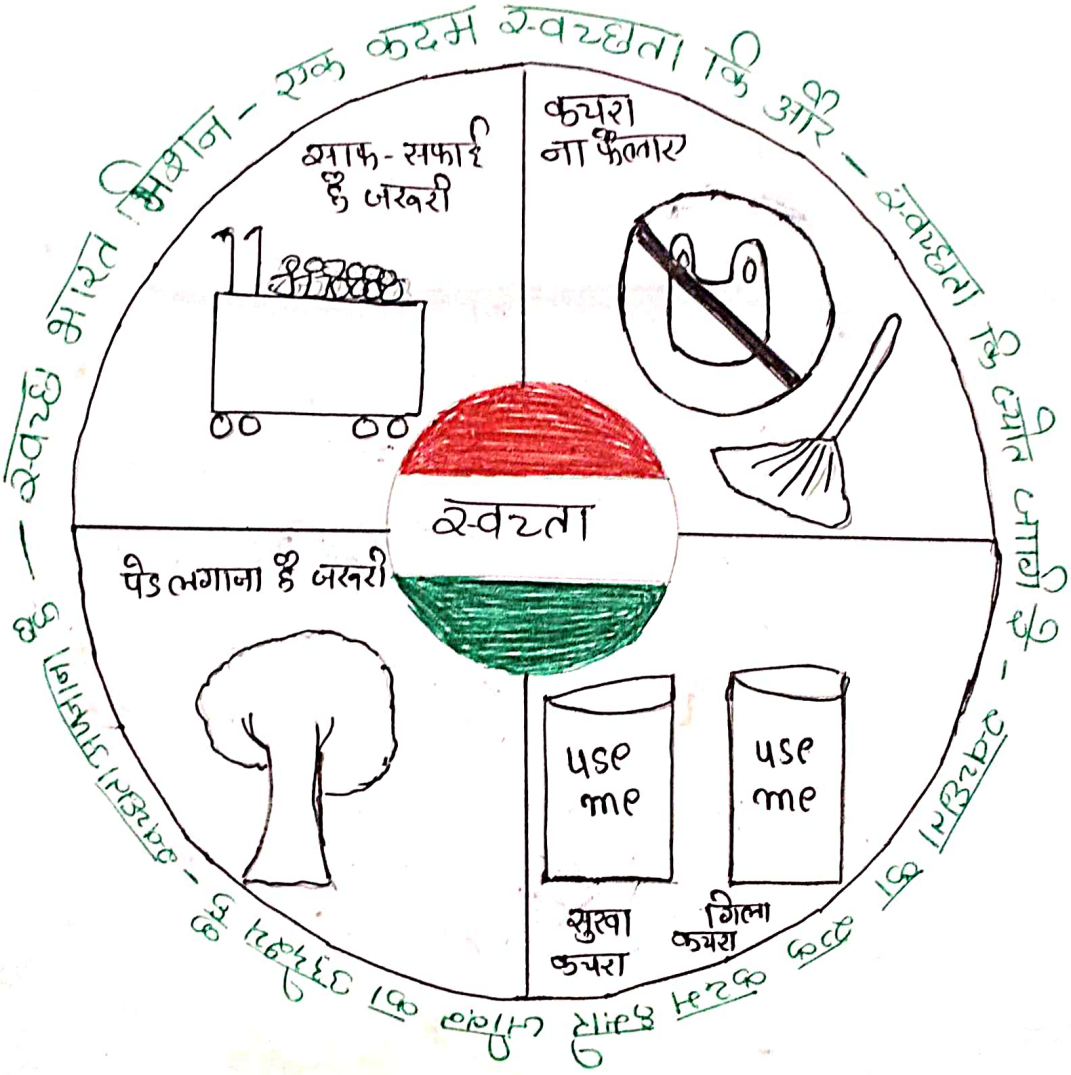

स्वच्छ भारत मिशन - एक कदम स्वच्छता कि ओर - स्वच्छता कि ज्योत जगाये है - स्वच्छता का एक कदम हमारे जीवन का उद्देश्य है - स्वच्छताअभियान है -
साफ-सफाई है जरूरी
कचरा ना फैलाए
स्वच्छता
पेड़ लगाना है जरूरी
use me
use me
सुखा कचरा
गिला कचरा